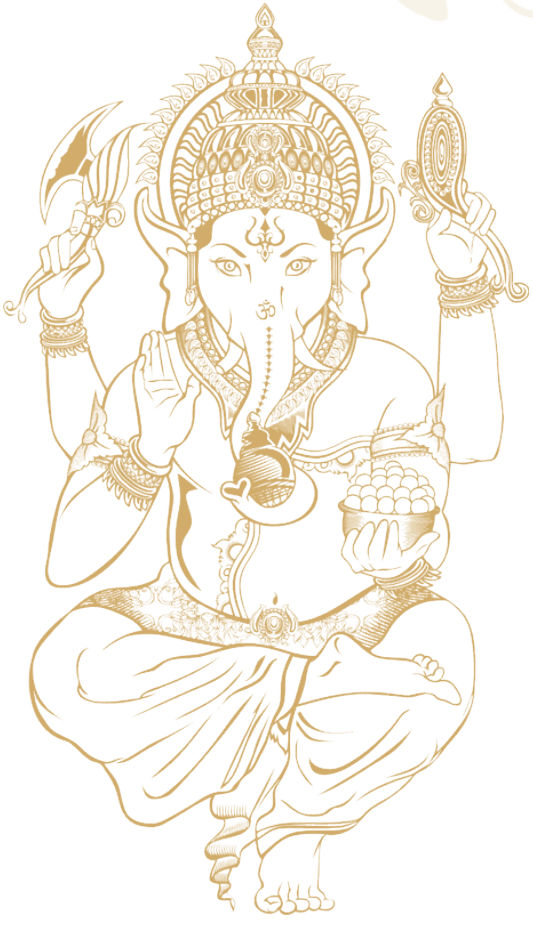

Kamal uncle

Pooja aunty

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121410201

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121410201 Date: 26/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/12/1971	जन्म तिथि	17/08/1977
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 11:05:00	जन्म समय	10:56:00 घंटे
घटी 10:04:05	जन्म समय(घटी)	12:09:30 घटी
India	देश	India
Ajmer	स्थान	Phulera
26:29:00 उत्तर	अक्षांश	26:52:00 उत्तर
74:40:00 पूर्व	रेखांश	75:16:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:20	स्थानिक संस्कार	-00:28:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:03:21	सूर्योदय	06:01:19
17:38:23	सूर्यास्त	19:04:14
23:28:06	चित्रपक्षीय अयनांश	23:32:47

मकर	लग्न	तुला
शनि	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
वृष	राशि	सिंह
शुक्र	राशि-स्वामी	सूर्य
मृगशिरा	नक्षत्र	उ०फाल्गुनी
मंगल	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
2	चरण	1
साध्य	योग	सिद्ध
तैतिल	करण	तैतिल
वो-वोमेश	जन्म नामाक्षर	टे-टेस्टी
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
चतुष्पाद	वश्य	वनचर
सर्प	योनि	गौ
देव	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 3वर्ष 10मा 27दि		14:27:16	मक	लग्न	तुला	05:05:02	सूर्य 4वर्ष 11मा 15दि	
शनि		16:55:22	वृश्चि	सूर्य	सिंह	00:39:13	गुरु	
31/10/2009		29:13:09	वृष	चंद्र	सिंह	28:58:50	02/08/2017	
30/10/2028		21:47:41	कुंभ	मंगल	वृष	27:04:38	02/08/2033	
शनि	02/11/2012	04:47:25	धनु व	बुध	सिंह	25:58:13	गुरु	20/09/2019
बुध	13/07/2015	22:23:55	वृश्चि	गुरु	मिथु	05:52:57	शनि	02/04/2022
केतु	21/08/2016	11:39:23	धनु	शुक्र	मिथु	23:03:55	बुध	08/07/2024
शुक्र	22/10/2019	08:57:57	वृष व	शनि	कर्क	27:21:23	केतु	14/06/2025
सूर्य	03/10/2020	13:14:09	मक व	राहु व	कन्या	22:46:19	शुक्र	13/02/2028
चन्द्र	04/05/2022	13:14:09	कर्क व	केतु व	मीन	22:46:19	सूर्य	01/12/2028
मंगल	13/06/2023	23:40:42	कन्या	हर्ष	तुला	14:34:42	चन्द्र	02/04/2030
राहु	19/04/2026	09:36:52	वृश्चि	नेप व	वृश्चि	19:50:36	मंगल	09/03/2031
गुरु	30/10/2028	08:17:07	कन्या	प्लूटो	कन्या	18:42:37	राहु	02/08/2033

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:28:06 चित्रपक्षीय अयनांश 23:32:47

लग्न-चलित

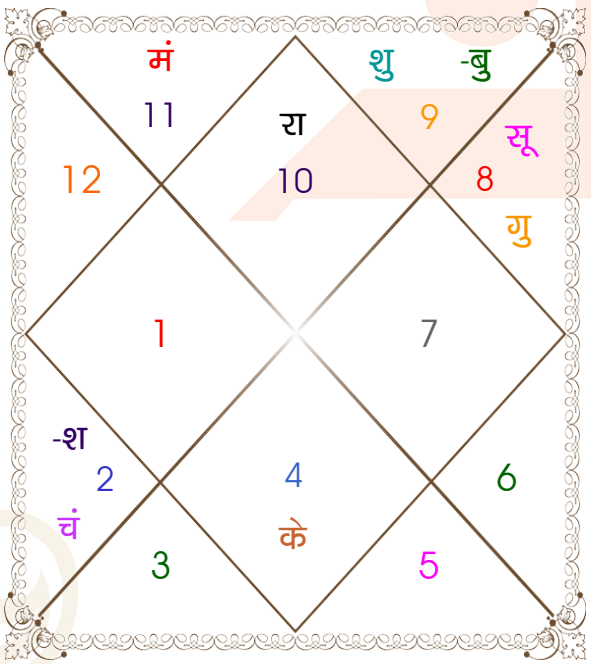

लग्न-चलित

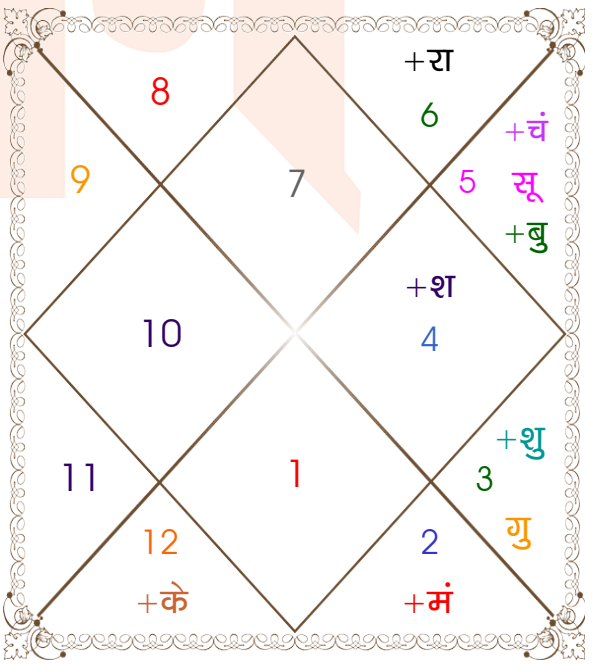

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	गौ	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

कुल : **23.5 / 36**

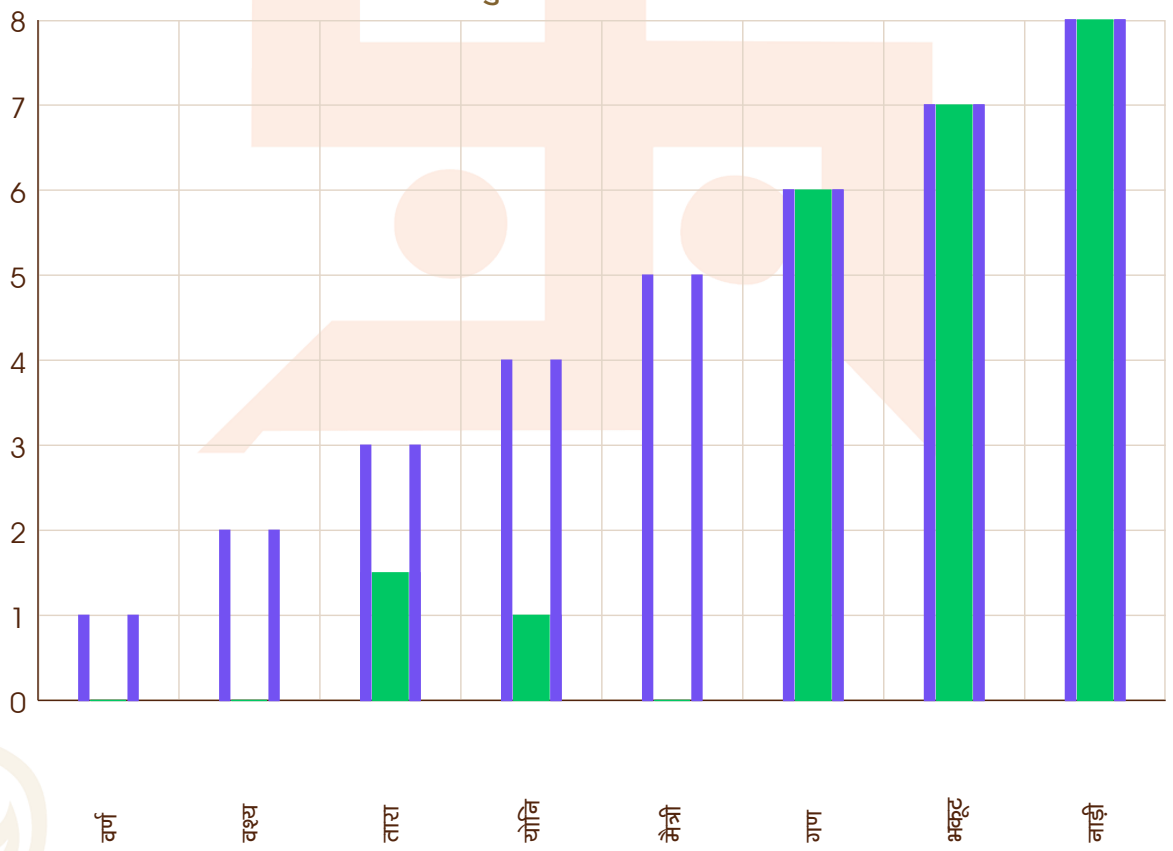

अष्टकूट मिलान

झंउंस नदबसम का वर्ग मृग है तथा च्ववरं ंनदजल का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार झंउंस नदबसम और च्ववरं ंनदजल का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

झंउंस नदबसम मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

च्ववरं ंनदजल मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

झंउंस नदबसम तथा च्ववरं ंनदजल में मंगलीक मिलान ठीक नही है।

निष्कर्ष

मंगलीक दोष के कारण मिलान ठीक नहीं हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

झंउंस नदबसम का वर्ण वैश्य है तथा च्ववरं नदजल का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि च्ववरं नदजल का वर्ण झंउंस नदबसम के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप च्ववरं नदजल अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। च्ववरं नदजल को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

वश्य

झंउंस नदबसम का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं च्ववरं नदजल का वश्य वनचर अर्थात सिंह (शेर) है। जिसके कारण यह मिलान अशुभ मिलान होगा। पशु हमेशा वनचरों (सिंह) के शिकार होत रहते हैं। पशुओं को हमेशा शेर से स्वयं की रक्षा करनी पड़ती है क्योंकि शेर, पशुओं को मारकर खा जाते हैं। इसी प्रकार यदि झंउंस नदबसम चतुष्पद एवं च्ववरं नदजल वनचर हो तो च्ववरं नदजल समय समय पर क्रूर स्वभाव, निर्दयी एवं हावी रहने वाली प्रवृत्ति की हो सकती है। फलस्वरूप च्ववरं नदजल झंउंस नदबसम पर कभी-कभी हावी रहेगी जो झंउंस नदबसम एवं उसके परिवार के लिए अच्छा नहीं रहेगा। च्ववरं नदजल का यह स्वभाव पूरी तरह से घर एवं परिवार की शांति को भंग कर सकता है तथा च्ववरं नदजल के असामान्य व्यवहार के कारण घर में अव्यवस्था एवं कोलाहल का माहौल रह सकता है।

तारा

झंउंस नदबसम की तारा विपत तथा च्ववरं नदजल की तारा मित्र है। झंउंस नदबसम की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। झंउंस नदबसम एवं झंउंस नदबसम के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि च्ववरं नदजल हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर च्ववरं नदजल को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

झंउंस नदबसम की योनि सर्प है तथा च्ववरं नदजल की योनि गौ है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक

आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में झंउंस नदबसम एवं च्ववरं ंनदजल दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अत्यधिक बुरा मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि में यदि दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हों तो इसे अत्यधिक बुरा मिलान माना जाता है। जिसके कारण झंउंस नदबसम एवं च्ववरं ंनदजल के बीच किसी प्रकार का प्रेम नहीं रहेगा तथा दोनों में काफी वैचारिक भिन्नता, तनाव, झगड़ा, मुकदमेबाजी यहां तक कि तलाक आदि की स्थिति भी बन सकती है। परिवार में शांति एवं सौहार्दता के अनुपस्थित रहने के कारण घर में हमेशा पैसे का अभाव बना रह सकता है तथा अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी झंउंस नदबसम दवं च्ववरं ंनदजल को काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। इनके बच्चे अयोग्य, बात नहीं सुनने वाले तथा जीवन में काफी हद तक असफल होते हैं।

गण

झंउंस नदबसम का गण देव तथा च्ववरं ंनदजल का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु च्ववरं ंनदजल अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

झंउंस नदबसम से च्ववरं ंनदजल की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा च्ववरं ंनदजल से झंउंस नदबसम की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण झंउंस नदबसम परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर च्ववरं ंनदजल घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

नाड़ी

झंउंस नदबसम की नाड़ी मध्य है तथा च्ववरं नदजल की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

झंउंस नदबसम की जन्म राशि भूमितत्व युक्त वृष तथा च्ववरं ंनदजल की राशि अग्नितत्व युक्त सिंह है। नैसगिक रूप से भूमि तत्व एवं अग्नितत्व में असमानता विद्यमान होती है अतः झंउंस नदबसम और च्ववरं ंनदजल में विषमता रहेगी फलतः मिलान उत्तम नहीं रहेगा।

झंउंस नदबसम का राशि स्वामी शुक्र तथा च्ववरं ंनदजल का राशि स्वामी सूर्य परस्पर एक दूसरे के शत्रु हैं। अतः दोनों के मध्य प्रबल विरोध की भावना विद्यमान होगी तथा दोनों का स्वभाव अहंकार से भी युक्त रहेगा। जब झंउंस नदबसम की इच्छा पारिवारिक वातावरण में समय व्यतीत करने की रहेगी उसी समय च्ववरं ंनदजल की इच्छा घर से बाहर भ्रमण की होगी क्योंकि बाहयजनों से उनका स्नेह भाव अधिक रहेगा। इस प्रकार जीवन में परस्पर विषमता के कारण वैवाहिक जीवन सुखी नहीं रहेगा।

झंउंस नदबसम और च्ववरं ंनदजल की राशि परस्पर चतुर्थ एवं दशम भाव में पड़ती है। अतः यह शुभ भकूट है। इसके प्रभाव से झंउंस नदबसम और च्ववरं ंनदजल एक दूसरे को समझने के लिए उद्यत होंगे तथा परस्पर सामंजस्य से उपरोक्त समस्याओं को दूर करने के लिए प्रवृत होंगे। झंउंस नदबसम में धैर्यशीलता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति उनके मन में ईर्ष्या का भाव नहीं रहेगा। यद्यपि च्ववरं ंनदजल की प्रवृति सामाजिक रहेगी परन्तु दम्पति एक दूसरे के प्रति पूर्ण ईमानदार तथा विश्वास पात्र रहेंगे।

झंउंस नदबसम का वश्य चतुष्पद एवं च्ववरं ंनदजल का वश्य वनचर है नैसर्गिक रूप से चतुष्पद एवं वनचर में विशेष समानता का भाव नहीं होता है। अतः झंउंस नदबसम और च्ववरं ंनदजल की अभिरूचियों में अंतर रहेगा। उनकी शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर विषमता रहेगी फलतः काम संबधों में एक दूसरे से सन्तुष्टि अल्प मात्रा में ही होगी तथा इसके प्रति उनके विभिन्न दृष्टि कोण रहेंगे।

झंउंस नदबसम का वर्ण वैश्य है अतः आर्थिक मामलों में सर्वदा सतर्क रहेंगे तथा व्यापारिक बुद्धि से कार्य कलाप करेंगे। च्ववरं ंनदजल का वर्ण क्षत्रिय होने से अपने कार्यो को वे साहस एवं पराक्रम के भाव से सम्पन्न करेंगी। उनकी प्रवृति व्ययशील भी होगी तथा जीवन में वे किसी से भी भयभीत नहीं रहेंगी। वह अपनी आत्मसन्तुष्टि के लिए साहसिक कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगी।

धन

झंउंस नदबसम और च्ववरं ंनदजल दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार

उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

झंउंस नदबसम की नाड़ी मध्य तथा च्ववरं ंनदजल की नाड़ी आद्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे तथा इसका कोई दुष्प्रभाव इन पर नहीं पड़ेगा परन्तु मंगल की स्थिति प्रतिकूल रहेगी जिसके प्रभाव से झंउंस नदबसम रक्त तथा पित विकार से परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही हृदय रोग संबधी परेशानी भी होगी एवं रतिक्रिया संबंधी निष्क्रियता के भाव की भी उत्पत्ति की संभावना रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति की संभावना उत्पन्न होगी। अतः उपरोक्त अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए झंउंस नदबसम को हनुमान जी की नियमित पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार का उपवास करना चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से झंउंस नदबसम और च्ववरं ंनदजल का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त झंउंस नदबसम और च्ववरं ंनदजल के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में च्ववरं ंनदजल के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन च्ववरं ंनदजल को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में च्ववरं ंनदजल को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से झंउंस नदबसम और च्ववरं ंनदजल सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार झंउंस नदबसम और च्ववरं ंनदजल का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

च्ववरं नदजल के अपने सास से संबध सामान्य ही रहेंगे तथा विशिष्ट मधुरता के भाव की समय समय पर न्यूनता का आभास होगा परन्तु आपसी सामंजस्य से किंचित अनुकूलता इसमें बनाए रखने में दोनों समर्थ रहेंगे। यदा कदा इनके मध्य मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होगा परन्तु यह क्षणिक होगा एवं गंभीर नहीं होगा। साथ ही च्ववरं नदजल सास को अपने माता के समान सेवा तथा सम्मान प्रदान करेंगी।

अपने विनम्र स्वभाव सामंजस्य की प्रवृति तथा सेवा भाव के कारण ससुर की प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में तनाव रहेगा तथा आपस में आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु यदि च्ववरं नदजल किंचित धैर्य एवं सामंजस्य से कार्य ले तो इनसे संबधों में मधुरता उत्पन्न हो सकती है तथा वे भी च्ववरं नदजल को यथोचित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

इस प्रकार सास ससुर का दृष्टि कोण च्ववरं नदजल के प्रति सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं परिवार के सदस्य के रूप में वे उसे स्वीकार करेंगे ।

ससुराल-श्री

झंउंस नदबसम के सास के साथ सामान्यतया अच्छे ही संबध रहेंगे तथा उनके प्रति इनके मन में सम्मान तथा आदर का भाव सर्वदा विद्यमान रहेगा। सास को वह माता के समान समझेंगे तथा वह भी उन्हें पुत्रवत स्नेह तथा सहयोग प्रदान करेंगी । साथ ही झंउंस नदबसम भी समय समय पर ससुराल में आते जाते रहेंगे तथा आपस में श्रेष्ठता के भाव की हमेशा न्यूनता रहेगी।

लेकिन ससुर के साथ में सामान्यतया संबधों में तनाव रहेगा तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण वैचारिक मतभेद भी रहेंगे परन्तु यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति का अनुपालन करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी झंउंस नदबसम के संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की न्यूनता रहेगी एवं प्रतिद्वन्दिता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण झंउंस नदबसम के प्रति विशेष उल्लेखनीय नहीं रहेगा।